स्वास्थ्य विभाग
बिहार सरकार

बाल हृदय योजना

जन्म से लेकर 18 वर्ष तक के बाल हृदय रोगियों का निःशुल्क इलाज

प्रमुख लक्षण

- सांस फूलना एवं धड़कन तेज चलना
- अत्यधिक रोना
- शरीर, होठ एवं जीभ का नीला पड़ना
- वजन नहीं बढ़ना
- रुक-रुक कर दूध पीना
- अत्यधिक थकावट महसूस करना
- पैर, पेट एवं आँख के पास फूल जाना

उपरोक्त लक्षण दिखने पर बच्चे के ईलाज हेतु नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अथवा जिला स्वास्थ्य समिति में जिला समन्वयक, RBSK से सम्पर्क करें।

PR No.- 14325 (Health)D. 2022-23

104

राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार

जीवन्त बिहार... सपना हो साकार

स्वास्थ्य विभाग

बिहार सरकार

बाल हृदय योजना

स्वास्थ्य विभाग

बाल हृदय योजना

जन्म से लेकर 18 वर्ष तक के बाल हृदय रोगियों का निःशुल्क इलाज

प्रमुख लक्षण

- सांस फूलना एवं धड़कन तेज चलना
- अत्याधिक रोना
- शरीर, होंठ एवं जीभ का नीला पड़ना
- वजन नहीं बढ़ना
- रूक-रूक कर दूध पीना
- अत्याधिक थकावट महसूस करना
- पैर, पेट एवं आँख के पास फुल जाना

उपरोक्त लक्षण दिखने पर बच्चे के इलाज हेतु नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अथवा जिला स्वास्थ्य समिति में जिला समन्वयक, **RBSK** से संपर्क करें।

दिल में छेदवाले बच्चों को मिल रही नयी जिंदगी : मंगल

■ 'बाल हृदय योजना' के तहत दो दिवसीय स्वास्थ्य जांच प्रारंभ

पटना/कार्यालय प्रतिनिधि। जन्मजात छेद जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मासूमों की हृदय के ऑपरेशन के लिए स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी पहल की है। इसके तहत छह और सात अगस्त को दो दिवसीय स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित की गई है। छह अगस्त को आईजीआईसी और सात अगस्त को आईजीआईएमएस में आयोजित इस जांच शिविर में राज्य भर से सामने आए दिल में छेद वाले गंभीर बीमारी से जूझ रहे मासूमों के स्वास्थ्य की जांच श्री सत्य साईं हृदय अस्पताल अहमदाबाद के विशेषज्ञ करेंगे। दो दिवसीय जांच शिविर के प्रारंभ होने के मौके पर सूबे के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय ने कहा कि राज्य सरकार गंभीर बीमारी से जूझ रहे बच्चों के बेहतर इलाज के लिए हमेशा प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि गंभीर बीमारी से जूझ रहे मासूमों के लिए आयोजित इस स्वास्थ्य जांच शिविर में करीब 250-300 बच्चों के शामिल होने की संभावना है। इससे पहले 46 बच्चों के हृदय का सफल ऑपरेशन किया जा चुका है। अन्य बच्चों का हृदय के ऑपरेशन की प्रक्रिया चल रही है। इस तरीके से हृदय में छेद वाली बीमारी से जूझ रहे बच्चों का अगला बैच अहमदाबाद श्री सत्य साईं हृदय अस्पताल में हृदय की ऑपरेशन के लिए भेजा जा रहा है। इसके लिए अहमदाबाद से आए स्वास्थ्य विशेषज्ञ बीमारी से जूझ रहे राज्य के सभी जिलों से चिह्नित बच्चों का स्वास्थ्य जांच करेंगे। तत्पश्चात इलाज की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। यह पूरा कार्यक्रम स्वास्थ्य विभाग की ओर से संचालित राज्य 'बाल हृदय योजना' के तहत आयोजित किया जा रहा है। श्री पांडेय ने बताया कि आईजीआईएमएस, आईजीआईसी और एम्स में भी बाल हृदय रोग का इलाज शुरू हो चुका है। आने वाले समय में इन स्वास्थ्य संस्थाओं में भी दिल में छेद वाले बच्चों के लिए ऑपरेशन की सुविधा शुरू हो जाएगी। इस पर विभाग तेजी के साथ काम कर रहा है। ऐसी गंभीर समस्या से जूझ रहे चिह्नित बच्चों का इलाज, दवा और डिवाइस क्लोजर ऑपरेशन निःशुल्क करवाया जा रहा है। इसके लिए प्रशांति चैरीटेबल ट्रस्ट के साथ समझौता हुआ है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से तय लक्ष्य के अनुसार हर साल राज्य भर से दिल में छेद जैसी गंभीर बीमारी से संघर्ष कर रहे बच्चों का इलाज करवाया जाना है।

बाल हृदय योजना से मिल रही मासूमों को नई जिंदगी

जागरण संवाददाता, पटना : स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने बताया कि जन्मजात दिल में छेद जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मासूमों को बाल हृदय योजना से नई जिंदगी मिल रही है। स्वास्थ्य विभाग की इस पहल में बच्चों की निश्शुल्क सर्जरी कराई जा रही है। छह को आइजीआइसी और सात को आइजीआइएमएस में स्क्रीनिंग कर निश्शुल्क सर्जरी के लिए बच्चों का चयन किया जाएगा। अहमदाबाद के श्री सत्य साईं हृदय अस्पताल के विशेषज्ञ पीड़ित बच्चों की स्क्रीनिंग करेंगे। वहीं पहले दिन शुक्रवार को आइजीआइसी में 200 की जगह 256 बच्चों की जांच की गई। निर्धारित 19 की जगह 36 जिलों के अलावा उत्तर प्रदेश व झारखंड से बच्चे स्क्रीनिंग कराने आए थे।

बेहतर कदम

- आइजीआइसी में 36 जिलों के साथ यूपी व झारखंड से आए बच्चे
- स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, निश्शुल्क सर्जरी दे रही नई जिंदगी

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि मासूमों के लिए आयोजित इस स्वास्थ्य जांच शिविर में करीब 300 बच्चों के शामिल होने की संभावना है।

बाल हृदय योजना

अन्तर्गत

स्वास्थ्य विभाग
बिहार सरकार

बाल हृदय रोगियों

के लिए

निःशुल्क जाँच शिविर

जन्म से लेकर 18 वर्ष तक के बाल हृदय रोगियों का निःशुल्क इलाज

दिनांकः 20 से 22 मार्च, 2023

स्थानः इंदिरा गाँधी हृदय रोग संस्थान, PMCH, पटना का परिसर, पटना

प्रमुख लक्षण

- सांस फूलना एवं धड़कन तेज चलना
- अत्यधिक रोना
- शरीर, होठ एवं जीभ का नीला पड़ना
- वजन नहीं बढ़ना
- रूक-रूक कर दूध पीना
- अत्यधिक थकावट महसूस करना
- पैर, पेट एवं आँख के पास फूल जाना

उपरोक्त लक्षण दिखने पर बच्चे के ईलाज हेतु अपने जिले के नीचे दिये गये RBSK समन्वयक से सम्पर्क करें।

हृदय रोग से ग्रसित बच्चों के ईलाज हेतु जिला RBSK समन्वयक का सम्पर्क सूत्र-

1	अररिया	7903957464
2	अरवल	8084540804
3	औरंगाबाद	9525443095
4	बांका	8789423899
5	बेगूसराय	9471455585
6	भागलपुर	8809772972
7	भोजपुर	8987659090
8	बक्सर	9905302033
9	दरभंगा	8340791495
10	पूर्वी चम्पारण	7781890140, 9430008700
11	गया	9470480008
12	गोपालगंज	9934057130
13	जमुई	8002727499
14	जहानाबाद	9386601112
15	कैमूर	9304054414
16	कटिहार	9931646656
17	खगड़िया	9431693271
18	किशनगंज	7903365291, 9931140424
19	लखीसराय	9204377488
20	मधेपुरा	7033016057
21	मधुबनी	8750788829
22	मुंगेर	6201467241
23	मुजफ्फरपुर	6203380028, 9801418878
24	नालंदा	9955584682
25	नवादा	8864064595
26	पटना	9801802093
27	पूर्णिया	9350062521
28	रोहतास	8235443911
29	सहरसा	9470090771
30	समस्तीपुर	8406881860
31	सारण	9472520896
32	शेखपुरा	9709592582
33	शिवहर	8809039634
34	सीतामढ़ी	9939259932
35	सीवान	9835264894
36	सुपौल	8677843464
37	वैशाली	9473213316
38	पश्चिमी चम्पारण	7903542193

PR No.- 16945 (Health)D. 2022-23

राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार

जीवन्त बिहार... सपना हो साकार

सहित अन्य अधिकारी आप सभी लोगों से मुखातिब होकर अपनी पूरी बात बतायेंगे। जानकारी दी गई है कि 21 बच्चे इलाज के लिये जा रहे हैं। इलाज के लिये जा रहे बच्चों एवं उनके अभिभावकों से हमने बस में मुलाकात कर शीघ्र स्वस्थ होने की शुभकामना दी। स्वास्थ्य मंत्री को इस बात के लिये बधाई देता हूं कि निर्धारित समय में इस योजना की शुरुआत कर दी। हृदय में छेद के साथ जन्मे बच्चों का इलाज हो सकेगा ताकि वे स्वस्थ जीवन जी सकें। राज्य सरकार भी अपने यहां बाल हृदय रोगियों के निःशुल्क इलाज की व्यवस्था कर रही है।

नवादा में संदिग्ध मौतों के संबंध मे पूछे गये एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वहां जाकर एक–एक चीज की जानकारी लें। पटना से आज एक विशेष टीम नवादा गयी है, जो एक–एक चीज की जॉच करेगी और जरूरी कार्रवाई करेगी।

इसके पश्चात् मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद में 'बाल हृदय योजना' पर आधारित एक लघु फिल्म का अवलोकन भी किया।

******